

10.04.18

वादी पालसिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह जाति जटसिख निवासी 31 पी एस तहसील रायसिंहनगर की ओर से श्री प्यारे लाल कच्छावा अधिवक्ता ने वाद पत्र मय शपथ पत्र के प्रस्तुत किया। जो दर्ज दर्ज रजिस्टर किया जाकर सम्बन्धित पक्षकारों को जरिये सम्मन तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 16.05.2018 को पेश हो।

उपजिला कलेक्टर रायसिंहनगर

968

आम पट पत्रावली श्रावण लोक अदालत का निर्णय
"न्याय आपके द्वार-2018" केम कोर्ट
ग्राम पंचायत 30 P.S. व लिपि लेखिका
अदालत के नु लिपि लेखिका मनीश देवी
मनीश देवी सरपंच
श्री प्यारे लाल कच्छावा अधिवक्ता 30 P.S. रायसिंहनगर
श्री पाल सिंह को पुत्रावली पत्रावली
के जानकारी ली गई ज-पत्र के पत्रावली
मजला-पत्रावली के पुत्रावली पत्रावली
के उपनिष्ठा श्री विरान निवासी मय व पत्रावली
के श्री लाल कच्छावा अधिवक्ता जटसिख नहीं गई।
उक्त पत्रावली के तहसीलदार शहीर खान के
वे लिपि लेखिका श्री तहसीलदार शहीर खान के
पत्रावली 11/11/18/835 दिनांक 31-5-18 के
हस्त आवत का पत्रावली कि कच्छावा श्री पाल सिंह
510 निष्ठा लिख को जयसिख ला-31 P.S. के मुफ्त
82 की 10-14 बीघा मही व 5-12 बीघा बागानी
कुल 15-16 बीघा की वनद छोटे 512 श्री भाग
जिला कलेक्टर मधेराप श्री भागानगर के 514
दिनांक 28/3/85 मंडल व 2591 मजारी की गई।
श्री भाग उपजिला कलेक्टर मधेराप शहीर खान के
आदेशानुसार आदेश क्रमांक 96/1245 दिनांक 12/6/86
के द्वारा मुफ्त 82 बीघा 78 के क्रि-1-10-11-20
92-23-24-85 में दो दो बीघा व क्रि-10-11-20

पाल सिंह
06-06-18

राजस्व लोक न्याय आपके द्वार-2018 केम कोर्ट निवासी (राजस्व) रायसिंहनगर

P.T.O

0-01 वीसा, 0-02 वीसा ताते ते कर जाने के कारण
वरीमान जमानगी में 0-03 वीसा बका कम है। उक्त
ल० 25917 में 15-16 वीसा करानी। नदरी के
पुस्त का उल 15-13 वीसा की मरुत उलसी में

अतिशाजा की थी

प्रावली पर उपलब्ध डाटाकेच के अनुसार
है पाया गया कि आवें पर वि० 80 वि०
वि० को चक 31PS के मु० न० 82 के 10-01 वीसा
नदरी 4-5-12 वीसा काानी उल 15-16 वीसा का
आवें है विलकी ल० न० 25917 (र० 28/3/85 को
पारी की गई) वकीलता राजीवराज ने अपनी
रिपोर्ट र० 31-5-18 के हवा कि० न० 24-25 में
अपना 0-01 वीसा, 0-02 वीसा राबू में कर जाने के
कारण जमानगी में 0-03 वीसा कम हो चुका है। इसी
दिलाले में जमीन का जमाना सीमा किमाना
0-01 वीसा उतीर देना है।

उक्त विवेचन के आधार पर वकीलता
राजीवराज की रिपोर्ट र० 31-5-18 के अनुसार
वकील चक 31PS के मु० न० 82 के ~~कि० न०~~ कि० न०
24-25 में अपना 0-01 वीसा, 0-02 वीसा उल
0-03 वीसा काानी का रकम कम करते हुए
आवें की सीमा वि० 80 की वि० वि० के मरुत
पारी ल० न० 25917 र० 28/3/85 के अनुसार
शोतेदारी का इतना ही रकम है जो मुस्त
बकाव रिपोर्ट के अन्तर्गत जमानगी की
आवें का अद्वैत वकीलता के मरुत पारी के जमानगी
के अन्तर्गत मुस्त देना सीमा उल 15-13 है।
निष्पत्ति मध्या-ए-अन मधुनापा गया।